सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 186 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 12 अगस्त, 2026
मूल्य ₹ 3/-

यदि हमारे मन में शांति नहीं है तो इसकी वजह है कि हम यह भूल चुके हैं कि हम एक दूसरे के हैं।

-मदर टेरेसा

हॉकी विश्वकप में अब नहीं होंगे... 7 | उपचुनाव में हार के बाद राजद... 3 | जेवर एयरपोर्ट पर अब या नाव... 2

राहुल की ललकार अमित शाह जवाब देने को तैयार

क्या छात्रों का सोया आंदोलन फिर से जागेगा

» बड़ा सवाल गोली चलाने का आदेश किसने दिया!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सदन में बीजेपी के लिए कुआं और खायी वाली स्थिति पैदा कर सियासत के मजे ले रहे राहुल गांधी के जाल में बीजेपी पूरी तरह से उलझ चुकी है। आज केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजाजू का बयान आया है कि गृह मंत्री अमित शाह सदन में जवाब देने को तैयार है। राहुल गांधी चाहते भी यही है कि अमित शाह आये और इस मुद्दे पर बोले कि पैलेट गन चलाने के आदेश किसने दिये थे। छात्रों पर लाठी चार्ज कैसे हुआ और उन्हें बेरहमी से किस के आदेश पर पीटा गया। यानि छात्र मुद्दे को बड़ी मुश्किल से शांत कर पायी सरकार को पता है कि एक छोटी सी गलती इस मुद्दे को अशांत होने में क्षण भर का भी समय नहीं लगने देगी।

फिल्मों में सीन होता है कि पूरा सिस्टम हीरो को घेर लेता है। चारों तरफ वर्दियां होती हैं सत्ता होती है ताकत होती है शोर होता है। लेकिन कैमरा सिर्फ एक चेहरे पर टिका रहता है। हीरो पीछे नहीं हटता। वह चारों तरफ देखता है मुस्कुराता है और कहता है आओ। देश कि सियासत में आज कुछ ऐसा ही दृश्य बनता दिखाई दे रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि यहां कैमरा किसी फिल्मी सेट पर नहीं संसद पर टिका है। और इस पूरे दृश्य के बीच चेहरा है राहुल गांधी। कल राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती दी थी कि सामने आकर बात कीजिए। आज सत्ता की तरफ से जवाब आया है गृह मंत्री अमित शाह सदन में जवाब देने को तैयार हैं। सियासत की पटकथा में इससे बड़ा ट्विस्ट और क्या होगा कल तक सवाल था शाह जवाब क्यों नहीं दे रहे आज सवाल बदल गया है कि राहुल की चुनौती का अगला कदम क्या होगा। यानी राहुल गांधी ने जो राजनीतिक गेंद सत्ता के पाले में फेंकी थी उसका जवाब अब सत्ता को देना पड़ रहा है। यही आज की कहानी है। यह कहानी भाजपा बनाम विपक्ष की सामान्य कहानी नहीं है। यह कहानी राहुल गांधी बनाम उस सत्ता तंत्र की है जिसे राहुल लगातार चुनौती दे रहे हैं। एक तरफ सत्ता का विशाल काफिला दूसरी तरफ राहुल एक तरफ संख्या दूसरी तरफ सवाल एक तरफ सरकारी मशीनरी दूसरी तरफ वह नेता जो लगातार कैमरे के सामने खड़ा होकर कह रहें हैं कि सवाल का जवाब दीजिए। और इन सबके बीच अब सबसे दिलचस्प बात देखिए गृह मंत्री को राहुल गांधी लगातार सवालों के घेरे में खड़ा कर रहे थे आज उन्हीं अमित शाह के सदन में जवाब देने की बात सामने आ गई है। इसे सिर्फ संसदीय कार्यवाही नहीं समझा जाना चाहिए। यह राहुल के बनाए राजनीतिक नैरेटिव का अगला अध्याय है। क्योंकि राजनीति में कभी कभी सबसे बड़ी जीत भाषण खत्म होने के बाद दिखाई देती है। जब सामने वाला उसी मैदान में उतर आए जहां उतरने की चुनौती आपने दी थी।

अमित शाह आये और इस मुद्दे पर बोले पैलेट गन चलाने के आदेश किसने दिये थे

राहुल गांधी पर सरकार का हमला

झारखंड में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन, कथित लाठीचार्ज, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू की चुनौती, लाल किले पर पहली बार वंदे मातरम के गायन कार्यक्रम पर सपा नेता रामजीलाल सुमन की टिप्पणी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर घर तिरंगा अपील और संसद में जारी हंगामे को लेकर भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पार्टी का पक्ष रखते हुए कांग्रेस और झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार को निशाने पर लिया। राहुल गांधी को केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की चुनौती के सवाल पर आरपी सिंह ने कहा कि राहुल गांधी में संसद में मुद्दों का सामना करने की हिम्मत नहीं है और वह सदन से भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि किरेन रिजिजू ने यह स्पष्ट किया है कि देश के गृह मंत्री संसद में पूछे गए सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हैं। लेकिन, राहुल गांधी संसद में चर्चा से बच रहे हैं। जब सरकार की ओर से गृह मंत्री के सदन में जवाब देने की बात स्पष्ट रूप से कही जा रही है, तब विपक्ष को चर्चा से पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जब शेर दहाड़ता है तो गीदड़ भागते हैं और राहुल गांधी की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है। राहुल गांधी संसदीय लोकतंत्र की भावना में विश्वास नहीं करते और संसद में मुद्दों का सामना करने के बजाय उससे बचने की कोशिश कर रहे हैं।

गृहमंत्री अमित शाह का बयान या लेक्चर सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं : राहुल गांधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का बयान या लेक्चर सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उनकी प्राथमिकता देश की युवा पीढ़ी से जुड़े उन सवालों का जवाब पाना है जिनका संबंध छात्रों पर हुई कथित हिंसा से है। राहुल गांधी ने कहा है कि विपक्ष जानना चाहता है कि दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर गोली चलाने का आदेश किसने दिया किसके आदेश से छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ और एक छात्र की आंख की रोशनी जाने की घटना के लिए कौन जिम्मेदार है। उन्होंने गृह मंत्रालय की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि छात्रों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश गृह मंत्रालय के स्तर से लागू किया गया था। राहुल गांधी ने सीधे अमित शाह से सवाल किया कि क्या उन्होंने छात्रों पर गोली चलाने का आदेश दिया था। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा आदेश गृह मंत्री ने दिया था तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि तब वे इस कार्रवाई के लिए जिम्मेदार होंगे। वहीं, अगर उन्होंने ऐसा आदेश नहीं दिया था तो राहुल गांधी ने उनकी क्षमता पर सवाल उठाते हुए इस्तीफे की मांग की। राहुल गांधी ने कहा कि अमित शाह पिछले 20 दिनों से सदन में नजर नहीं आए हैं। गृह मंत्री में सदन का सामना करने की हिम्मत नहीं है और वे संसद में आकर इन सवालों का जवाब नहीं दे सकते। राहुल गांधी ने छात्रों पर कथित तौर पर कील लगी लाठियों से हमला किए जाने का भी उल्लेख किया और पूछा कि इस तरह की कार्रवाई का आदेश किसने दिया था।

जेवर एयरपोर्ट पर अब क्या नाव चलेगी: अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सपा प्रमुख का भाजपा व उसकी सरकार पर हमला जारी रखा। ग्रेटर नोएडा में बीते दिनों हुई तेज बारिश की वजह से जेवर एयरपोर्ट की पार्किंग में पानी भर गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसे लेकर सियासत तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने ये वीडियो शेयर करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला किया है।

आपके बता दें कि इस मामले पर जेवर एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से भी बयान आया है, उन्होंने बताया कि तेज बारिश की वजह से पार्किंग एरिया में पानी भर गया था लेकिन, कर्मचारियों ने इसे तत्काल संज्ञान में लेकर जल निकासी का काम शुरू किया और 30 मिनट के अंदर ही जलभराव को पूरा खाली कर दिया था। उन्होंने ये भी साफ़ किया कि इसकी वजह से एयरपोर्ट पर विमानों के संचालन पर कोई असर नहीं हुआ।

अखिलेश यादव ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें एयरपोर्ट के पार्किंग एरिया में काफी पानी भरा हुआ दिखाई दे रहा है। जिसमें एयरपोर्ट पर तैनात कर्मचारी इस पानी को बाहर निकालने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं। वहीं आसपास काफी संख्या में लोग भी खड़े हुए दिखाई दे रहे हैं जो जलभराव के चलते परेशान है।

जहाँ भाजपा सरकार, वहाँ महाभ्रष्टाचार

सपा मुखिया ने ये वीडियो शेयर करते हुए भारतीय जनता पार्टी तंज कसते हुए निशाना साधा और सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा- अब क्या एअरपोर्ट पर नाव चलेगी? जहाँ भाजपा सरकार, वहाँ महा-भ्रष्टाचार! सोशल मीडिया पर भी इसे लेकर कई तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही है। कई लोग एयरपोर्ट पर जल निकासी व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर रहे हैं।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे भी धंसा

इससे पहले लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के भी उद्घाटन के एक महीने के अंदर कई जगहों से धंसने और टूटने की खबरें आने के बाद यूपी सरकार को काफी किरकिरी का सामना करना पड़ रहा है। इस एक्सप्रेसवे का 13 जुलाई को ही उद्घाटन हुआ था, जिसके बाद ये कई जगहों से टूट चुका है और लगातार इसकी मरम्मत का काम किया जा रहा है। ऐसे में यूपी में हो रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर भी प्रश्नचिन्ह खड़े हो रहे हैं।

जनता महंगाई, बेरोजगारी और रोजगार जैसे मुद्दों का समाधान चाहती है: मसूद

योगी सरकार की गोमूत्र योजना पर कांग्रेस ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में गोमूत्र खरीद को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने यूपी सरकार की इस पहल पर सवाल उठाते हुए तंज कसा है। उन्होंने कहा कि सरकार को युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने पर ध्यान देना चाहिए, न कि ऐसे मुद्दों पर जो जनता की प्राथमिक समस्याओं से जुड़े नहीं हैं।

इमरान मसूद ने गोमूत्र खरीद योजना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, बस इसी काम पर रह गए, रोजगार भी दोगे कि नहीं, उन्होंने इसे लेकर सरकार पर निशाना साधा और कहा कि जनता महंगाई, बेरोजगारी और रोजगार जैसे मुद्दों का समाधान चाहती है। कांग्रेस सांसद ने गोमूत्र खरीद के फैसले पर कटाक्ष करते हुए इसे लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इस तरह की योजनाओं से जुड़े पहलुओं की जांच होनी चाहिए। ये फोडर स्कैम(चारा घोटाला) से भी बड़ा स्कैम है। हालांकि सरकार की ओर से इस योजना को लेकर पशुपालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में कदम बताया गया है। इमरान मसूद ने आरोप लगाया कि सरकार को असली मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार देने, किसानों की समस्याओं का समाधान करने और महंगाई कम करने की जरूरत है। दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई को लेकर भी इमरान मसूद ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केवल बयान देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन चलने की जिम्मेदारी कौन लेगा?

कांग्रेस सांसद ने कहा कि जवाबदेही तय करने के लिए विपक्ष लगातार आवाज उठा रहा है। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन पर इमरान मसूद ने कहा कि भाजपा मुद्दे को भटकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दावा किया कि झारखंड सरकार छात्रों की मांगों को सुनेगी और समाधान निकालने की कोशिश करेगी। वहीं उन्होंने दिल्ली में प्रदर्शनकारियों पर हुई कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला।

छात्रों की आवाज दबाई जा रही है

इमरान मसूद ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार विरोध की आवाज को दबाने का काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि छात्रों और युवाओं के मुद्दों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई बाहरी ताकत आंदोलन को प्रभावित करने की कोशिश करती है तो इससे छात्रों के असली मुद्दे कमजोर हो सकते हैं। कांग्रेस सांसद के बयानों के बाद गोमूत्र खरीद योजना और छात्र आंदोलन को लेकर राजनीतिक बहस और तेज हो गई है।

मछली शाकाहारी बिना लहसुन प्याज के बनाएं: संजय निषाद

योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री के बयान पर उठा विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के करीब आते-आते नेताओं की बयानबाजी शुरू हो गई है। इस बीच यूपी की योगी सरकार में मंत्री संजय निषाद ने एक चौंकाने वाला दावा कर दिया है. दरअसल संजय निषाद ने कहा, बिना लहसुन-प्याज की बनी मछली शाकाहारी है। मंत्री के इस बयान के बाद विवाद शुरू होना तय माना जा रहा है।

हालांकि कार्यक्रम के दौरान मंच पर कई लोग मौजूद जो सिर्फ चुप्पी साधे रहे और संजय निषाद मुस्कुराते दिखे। बता दें कि सावन के महीने में मांसाहारी खाने से हिंदू समाज में परहेज किया जाता है। सावन के महीने में संजय निषाद ने मछली को शाकाहारी करार दे दिया है, वहीं संजय निषाद ने आगे कहा कि यूपी सरकार और

भारत के संविधान का निशान मछली, तीर और धनुष है, ये ही निषाद समाज का सिंबल है जिस पर हमें गर्व है। कार्यक्रम के दौरान संजय निषाद ने अपनी लंदन यात्रा का जिक्र किया, इस दौरान उन्होंने कहा, मुझे लंदन जाने का मौका मिला। मैंने वहां देखा कि गोरखपुर सांसद रवि किशन ने अपने गानों से सबको मस्त कर रखा है, जबकि मैंने सबको पस्त कर रखा है। उन्होंने कहा, भारत में कभी लंदन दिखता था, लेकिन आज लंदन में भारत नजर आता है, वहां ब्रिटेन में भी भारतीय मूल का पीएम बना। इस दौरान उन्होंने निषाद समाज को लेकर कहा, जो भी निषाद राज के डंडे का स्वागत करे वो भाई है और जो विरोध करेगा वो कसाई हो जाएगा।

लखनऊ-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग की लगातार हो रही दुर्दशा की ओर देखें पीएम: अजय राय

उप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने राज्यपाल को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश की महामहिम राज्यपाल को पत्र लिखकर हाल ही में नवनिर्मित लखनऊ-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग की लगातार बिगड़ती हालत पर हस्तक्षेप करने एवं प्रधानमंत्री के समक्ष इस व्यापक जनहित के मामले को उठाए जाने के संबंध में अनुरोध किया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने महामहिम को लिखे पत्र में कहा है कि हाल ही में आपने गोरखपुर जिले में प्रदेश की सरकार और विशेष रूप से मुख्यमंत्री के क्षेत्र में जनसुविधाओं और प्रशासन की खराब स्थिति पर जिस स्पष्टता से अपनी चिंता सार्वजनिक रूप से रखी, वह निश्चित रूप से सराहनीय है। आपने यह संदेश दिया कि

राज्यपाल केवल औपचारिक पद पर बैठा व्यक्ति नहीं, बल्कि प्रदेश की जनता के हित और अधिकारों के प्रति भी सजग है।

इसी संदर्भ में आपका ध्यान विगत 13 जुलाई को बड़े स्तर पर उद्घाटित लखनऊ-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर दिलाया जाता है। लगभग 4,200 करोड़ रुपये की लागत से बने इस मार्ग को आधुनिक और तेज यातायात की बड़ी उपलब्धि बताया गया था। लेकिन उद्घाटन के कुछ ही दिनों बाद सड़क के बार-बार धंसने, बड़े गड्ढे बनने, जल निकासी की खराब व्यवस्था, पुलों के हिस्सों और क्रैश बैरियर में दरार तथा मरम्मत के बाद फिर सड़क खराब होने की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। इस मार्ग पर उद्घाटन के दो दिन बाद ही एक गंभीर दुर्घटना में बाइक सवार की मृत्यु भी हुई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्र में लिखा है कि इस हाईवे की स्थिति इतनी गंभीर हुई कि एनएचएआई को मरम्मत पूरी होने तक टोल वसूली रोकनी पड़ी। अब इस कारण सरकार को लगभग 575 करोड़ रुपये की राजस्व हानि होने की बात सामने आ रही है। सवाल यह है कि 4,200 करोड़ रुपये जनता के पैसे से खर्च करने के बाद इतनी जल्दी सड़क की यह हालत क्यों हुई और इसकी जिम्मेदारी किसकी है? निश्चित ही केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मुखिया को इस विफलता की जिम्मेदारी लेना चाहिए।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बिहार में कर्मचारियों को नहीं मिल रहा वेतन: तेजस्वी

राजद नेता बोले- एनडीए सरकार का खजाना हुआ खाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर सरकारी कर्मचारियों को कई महीनों से वेतन नहीं दिए जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य का खजाना लगभग खाली हो गया है और वित्तीय अराजकता की स्थिति पैदा हो गई है।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने पटना में संवाददाताओं से कहा, इन लोगों ने खजाने की ऐसी लूट मचा रखी है कि सरकार को सभी विभागों के कर्मचारियों का

वेतन देने में परेशानी हो रही है। खजाना लगभग खाली है। राजद की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, यादव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखकर अनुदान प्राप्त मदरसों और संस्कृत विद्यालयों के शिक्षकों के लंबित वेतन का भुगतान करने का अनुरोध किया। राजद नेता ने बिहार में भ्रष्टाचार व्याप्त होने का आरोप लगाते हुए कहा, अब बिना रिश्वत दिए कोई भी सरकारी काम संभव नहीं है। उन्होंने कहा, भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। वे खुलेआम घूम रहे हैं। ऐसा लगता है कि राज्य में कोई सरकार ही नहीं है।

यादव ने दावा किया कि विधायकों और मंत्रियों को भी वेतन नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, एक समय ऐसा भी था जब मुझे खुद पांच महीने तक वेतन नहीं मिला था। उन्होंने राज्य सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि मौजूदा स्थिति चिंता का विषय है।

उपचुनाव में हार के बाद राजद में मंथन

संगठन में बदलाव पर चल रहा चिंतन

- तेजस्वी अपनी नई टीम बनाएंगे, लालू के करीबियों को भी मौका
- बांकीपुर में हार से पार्टी में भूचाल
- सोशल मीडिया पर कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के उपचुनाव में जहां बीजेपी को तो झटका लगा ही उससे ज्यादा नुकसान राजद को हुआ है। वहां पर उसे तीसरे स्थान पर रहना पड़ा। उससे आगे भाजपा व जनसुराज रहे। अब इसके बाद से राजद में ओवर हालिंग शुरूहो गई है। राजद नेतृत्व पूरे संगठन को भंग करके उसको नया स्वरूप देने पर विचार कर रहा है।

बता दें बिहार की राजनीति में लंबे समय तक सत्ता में रहे राष्ट्रीय जनता दल में बदलाव को लेकर बांकीपुर उपचुनाव के बाद चर्चा में होने लगी है। खासकर जब से तेजस्वी यादव ने अपनी पार्टी की सारी संगठनात्मक इकाइयों को भंग कर दिया है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या तेजस्वी की नई टीम पुराने लोगों को जगह मिलेगी? हालांकि इनसबके बीच नेता प्रतिपक्ष एनडीए सरकार पर हमले का कोई अवसर नहीं छोड़ रहे है।

2020 में 75 सीट लाकर सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में राजद सामने आया

बिहार विधानसभा 2020 में 75 सीट लाकर सबसे बड़े राजनीतक दल के रूप में राजद सामने आया था। कुछ दिनों में यह संख्या 79 हो गई थी जब असद्दुदीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के पांच में से चार विधायक को तोड़कर राजद में मिला लिया गया। 79 विधायकों वाला राजद पांच साल बाद यानी नवंबर 25 में ही 25 विधायकों वाला दल बनकर रह गया। तेजस्वी यादव राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष भी बनाए गए। इन 25 में एक विधायक का झुकाव अब राजद की ओर कम और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ओर ज्यादा है। अगर यह विधायक एनडीए खेमे में चले गए थे नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी भी संकट में आ जाएगी। बांकीपुर उपचुनाव में ऐसा लग रहा था कि तेजस्वी यादव इस सीट के लिए पूरी ताकत झोंक देंगे। लेकिन, ऐसा हुआ नहीं। तेजस्वी देरी से चुनावी मैदान में कूदे। परिणाम यह हुआ कि राजद की उम्मीदवार रेखा कुमारी गुप्ता अपनी जमानत तक नहीं बचा पाईं।

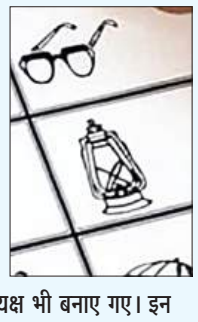

पूर्वनियोजित था इकाई भंग करने का फैसला : मंगनी लाल

राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा कि पार्टी के संगठनात्मक इकाइयों का भंग करने का फैसला अचानक से नहीं लिया गया है। यह पूर्वनियोजित था। विधानसभा चुनाव 25 से पहले नई टीम बनानी थी लेकिन चुनाव के कारण ऐसा नहीं पाया। इसके बाद राज्यसभा और फिर बांकीपुर उपचुनाव के कारण टीम में परिवर्तन नहीं

किया गया था। अब चुनाव भी 2029 और 2030 में ही होना है। इसलिए पुरानी इकाइयों को भंग कर दिया गया। अब नई टीम बनाई जाएगी। पुरानी टीम की सभी इकाइयों के नेतृत्वकर्ताओं का रिपोर्ट कार्ड तैयार किया जा रहा है। जिसका रिपोर्ट बेहतर रहेगा, उन्हें मौका मिलेगा। टीम में युवा और सामाजिक समीकरणों का भी ख्याल रखा जाएगा। अगले एक महीने के अंदर सभी इकाइयों का गठन कर लिया जाएगा।

लालू के करीबियों को जगह मिलेगी

सियासी रणनीतिकारों ने कहा कि तेजस्वी यादव अपनी नई टीम में लालू प्रसाद के करीबियों को जगह जरूर देंगे। क्योंकि पुराने नेता पार्टी के खराब वक्त में भी साथ रहे। उनके अनुभव का लाभ पार्टी को मिलेगा। कुछ नेता ऐसे भी हैं, जिनका कोई विकल्प नहीं है। इसलिए उन्हें ऐसी जिम्मेदारी देंगे, जो कि उनके उम्र के लिहाज से फिट बैठे। साथ ही उन्हें उचित सम्मान भी मिलता रहे। तेजस्वी अपने करीबियों को जगह देने पर भी विचार कर रहे हैं।

विधानसभा चुनाव 25 के बाद तेजस्वी के करीबियों को लेकर सवाल उठे थे। उनकी बहन रोहिणी आचार्य समेत पार्टी के कुछ नेताओं ने इन पर आरोप भी लगाए थे। इस बार तेजस्वी अपनी टीम में नये चेहरे को भी तवज्जों देंगे। कुछ नेता का प्रदर्शन 2025 के विधानसभा चुनाव में अच्छा रहा था। कुछ नेता विधानसभा में हारे जरूर थे लेकिन काफी कम वोटों से। ऐसे नेताओं को भी तेजस्वी अपनी टीम में शामिल कर सकते हैं।

तेजस्वी को बदलाव करने की सलाह

नई टीम के साथ तेजस्वी यादव को खुद में बदलाव लाना पड़ेगा। सड़क से लेकर सदन पर उन्हें एक कुशल विपक्ष के नेता की भूमिका निभानी होगी। उन्हें मुद्दों की सियासत करनी होगी। साथ ही अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और महागठबंधन के नेताओं के साथ संवाद बढ़ाना होगा। हर एक कार्यकर्ता से कनेक्ट होना पड़ेगा। बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करनी होगी। मुस्लिम और यादव समीकरण पर मजबूत पकड़ बनानी होगी। अगड़ी जातियों पर भी फोकस करना होगा। जैसे भरत तिवारी मामले में उनके परिवार से मिलना जरूरी था। जिस तरह वह बंटी यादव के परिजनों से मिले, उसी तरह भरत तिवारी के परिजनों से भी उन्हें मिलना चाहिए था। तेजस्वी याव बुद्धिजीवियों का भी विश्वास जीतना होगा। केवल ए टू जेड की बात कहने से खास प्रभाव नहीं पड़ेगा।

मुस्लिम और यादव वोट बैंक खिसका

इस करारी हार ने राजद खेमे में भूचाल सा ला दिया। सोशल मीडिया पर कई बातें चलने लगी। मुस्लिम और यादव वोट बैंक का खिसकना, पार्टी नेताओं की कम सक्रियता, आपसी तकराव और लालू परिवार में टकराव समेत कई बातों पर सोशल मीडिया पर चर्चा होने लगी। इसी बीच राजद विधायक भाई वीरेंद्र और मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव के बीच टकराव से कार्यकर्ताओं के बीच मैसेज भी गलत गया। इस बीच तेजस्वी यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने राजद की सभी संगठनात्मक इकाइयों को भंग कर दिया। अब नए सिरे से तेजस्वी यादव सबकुछ बनाएंगे।

मजदूर की हत्या पर नेता प्रतिपक्ष ने सरकार पर साधा निशाना

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी मृतक के परिजनों से मिलने जोगिया गांव पहुंचे। उन्होंने परिवार से मुलाकात कर घटना की पूरी जानकारी ली और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की मांग की। इस दौरान तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार पर भी जमकर निशाना साधा। दिनारा प्रखंड के जोगिया गांव में बीते बुधवार को 60 वर्षीय चंदेश्वर चौधरी की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना दिनदहाड़े हुई थी। हत्या का आरोप गांव के ही रहने वाले अजीत तिवारी पर लगा। आरोप है कि वारदात के बाद आरोपी शव को लेकर फरार हो गया था। पीड़ित परिवार से

मुलाकात के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि समाज में आज भी सामंती सोच रखने वाले लोग मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह अपना हक मांगने गए एक मजदूर की गोली मारकर हत्या कर दी गई, वह बेहद दुखद है। तेजस्वी यादव ने सरकार से दोषी को सख्त से सख्त सजा दिलाने और पीड़ित परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि हत्यारे की ओर से अब भी पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। वहीं तेजस्वी यादव ने बिहार के पुलिस महानिदेशक(डीजीपी)विनय कुमार से मुलाकात की और 25 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के दौरान एके-47 राइफल के कथित इस्तेमाल के मामले में सीवान के पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि छात्रों पर इस तरह की राइफल के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया था। राजद नेता ने पत्रकारों से कहा, ''प्रदर्शनकारियों पर एके-47 का इस्तेमाल केवल मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आदेश पर ही किया जा सकता था। इस मुद्दे पर दोनों ही चुप्पी साधे हुए हैं और कुछ भी नहीं कह रहे हैं। संबंधित पुलिस अधीक्षक (एसपी) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।'' जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने डीजीपी से संबंधित एसपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, तो यादव ने कहा, ''प्रदर्शनकारी छात्रों पर एकके-47 के इस्तेमाल के मामले में एसपी समेत सब पर कार्रवाई होनी चाहिए।'

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कैंसर का रोकने को बदलनी होगी सोच

आज कैं सर दुनिया की सबसे बड़ी समस्या व तेजी से बढ़ती वैश्विक चुनौती है। लेकिन सबसे बड़ी समस्या बीमारी नहीं बल्कि इलाज में मौजूद असमानता है। इसको रोकने के लिए समाज व सरकार को अपनी सोच बदलनी होगी। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए कैंसर अक्सर गरीबी का कारण बन जाता है। भारत में तंबाकू नियंत्रण, समय पर स्क्रीनिंग, एचपीवी टीकाकरण, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का विस्तार कैंसर से होने वाली मौतों और आर्थिक बोझ को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बीमारी से लड़ने के लिए सरकार, समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था के साझा प्रयास जरूरी हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की हाल ही में जारी 'ग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट ऑन कैंसर-26- द फ्यूचर वी चूज टुगेदर' एक चेतावनी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। रिपोर्ट के अनुसार हर पांचवां व्यक्ति अपने जीवनकाल में कैंसर का सामना करेगा और यदि परिवार के सदस्यों को भी जोड़ लिया जाए तो दुनिया की करीब 92 प्रतिशत आबादी किसी न किसी रूप में इस बीमारी से प्रभावित होगी।

वर्ष 4 में विश्वभर में करीब 2.06 करोड़ नए कैंसर के मामले दर्ज किए गए और यह आंकड़ा 2050 तक बढकर हर साल 3.5 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। पुरुषों में फेफड़ों का कैंसर (16 लाख मामले) और प्रोस्टेट कैंसर (15 लाख मामले) सबसे अधिक पाए गए। वहीं महिलाओं में स्तन कैंसर (24 लाख मामले) और फेफड़ों का कैंसर (10 लाख मामले) प्रमुख रहे। कोलोरेक्टल (आंत) कैंसर भी दोनों लिंगों को प्रभावित करने वाले बड़े संकट के रूप में सामने आया है। लेकिन इन आंकड़ों से भी बड़ी चिंता यह है कि कैंसर से बचने की संभावना अब केवल बीमारी की प्रकृति से तय नहीं हो रही, बल्कि व्यक्ति के भौगोलिक क्षेत्र, पर्यावरणीय परिस्थितियों और आर्थिक स्थिति पर भी निर्भर हो रही है। रिपोर्ट बताती है कि विकसित देशों में कैंसर का पता लगने के बाद पांच साल तक जीवित रहने की दर सबसे कम विकसित देशों की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत अधिक है। यानी एक ही बीमारी, लेकिन जीवन की संभावना भूगोल और आर्थिक क्षमता से प्रभावित हो रही है। यही असमानता कैंसर की सबसे बड़ी त्रासदी बन चुकी है। रिपोर्ट में शामिल एक भारतीय स्वास्थ्यकर्मी का अनुभव इस हकीकत को सामने लाता है। किशोरावस्था में कैंसर से जूझ रही एक लड़की के बारे में वे लिखते हैं कि उसने इलाज नहीं छोड़ा, बल्कि सच यह है कि 'इलाज ने कई मायनों में उसे छोड़ दिया।' यह स्थिति भारत सहित दुनिया के अनेक निम्न और मध्यम आय वाले देशों की वास्तविकता है, जहां इलाज की सुविधा तो उपलब्ध है, लेकिन वह हर व्यक्ति की पहुंच में नहीं है।

"भारत में तंबाकू नियंत्रण, समय पर स्क्रीनिंग, एचपीवी टीकाकरण, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का विस्तार कैंसर से होने वाली मौतों और आर्थिक बोझ को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बीमारी से लड़ने के लिए सरकार, समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था के साझा प्रयास जरूरी हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पंजाब में चुनावी बढ़त के लिए रणनीतियां

ज्योति मल्होत्रा

अगर आज पंजाब में चुनाव हों, तो कौन सी पार्टी जीतेगी? इस सवाल का जवाब कई अलग-अलग मुद्दों से जुड़ा है, जैसे कि जेन-जी छात्रों का विरोध प्रदर्शन जो अब जंतर-मंतर से झारखंड तक पहुंच चुका है; पिछले महीने कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में शामिल महिला प्रदर्शनकारियों के खिलाफ तीव्र प्रतिक्रिया, जिसमें रेप करने और जान से मारने की धमकियां भी शामिल हैं; संसद में केंद्र का यह जवाब कि सुरक्षा कारणों से डेरा बाबा नानक को पाकिस्तान के नारोवाल जिले में गुरु नानक के आखिरी प्रवास स्थल से जोड़ने वाला करतारपुर साहिब गलियारा नहीं खोला जाएगा; और बीते शुक्रवार दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी और अकाली दल प्रमुख सुखबीर बादल के बीच बैठक।

मानो इतना ही काफी न हो, पिछले हफ्ते के आखिर में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की चौंकाने वाली टिप्पणियां भी सामने आईं-उन्होंने माना कि जेन-जी की शिकायतें 'वास्तविक' हैं, और यह भी कि लड़ाई के वक्त को छोड़कर, भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध टूटने नहीं चाहिए। सबसे पहले, मोदी-बादल बैठक से संकेत मिलता है कि अकाली दल और भाजपा के बीच गठबंधन की संभावना फिर से बन रही है। दोनों पार्टियों ने अपनी-अपनी स्वतंत्र पहुंच दिखाने के लिए हर संभव कोशिश की, लेकिन काम बना नहीं। मार्च में ही पंजाब के मोगा में एक रैली में, ताकतवर गृह मंत्री अमित शाह ने केसरिया पगड़ी पहनकर पार्टी के लोगों से कहा था कि वे अकाली दल के 'छोटे भाई' की भूमिका निभाना बंद करें। मोगा रैली शाह और सुखबीर बादल के बीच बातचीत के दो साल बाद हुई थी; जब 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले सीट बंटवारे को लेकर बातचीत टूट गई थी-भाजपा बराबर की हिस्सेदारी चाहती थी और बादल इसके लिए तैयार नहीं थे। स्पष्टत: ध्यान केंद्रित करने के लिए चुनाव जैसा और कुछ नहीं है। प्रधानमंत्री जानते हैं कि पंजाब में उनकी ओर से किये कई प्रयास- डेरा सचखंड बल्लां (जहां ज्यादातर दलित सिख जाते हैं) का दौरा;

पिछले माह शानदार रूपांतरण के बाद जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन का उद्घाटन; अनुभवी और सुलझे हुए सुनील जाखड़ की जगह जट सिख केवल ढिल्लों को राज्य पार्टी अध्यक्ष बनाना; तेजा सिंह समुन्द्री के पोते और सम्मानित पूर्व राजनयिक तरनजीत संधू को दिल्ली का उप-राज्यपाल बनाना, हरियाणा के

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को केसरिया पगड़ी पहनाकर पड़ोसी राज्य पंजाब में राजनीतिक दौरे करवाना-ये सब किसी गिनती में नहीं आएंगे यदि वे 2020 की उस अप्रिय घटना को आज भी याद रखते हैं, जब केंद्र सरकार द्वारा पारित तीन कृषि कानूनों के विरोध में शिरोमणि अकाली दल ने राजग छोड़ दिया था। प्रधानमंत्री को याद होगा कि केंद्र द्वारा झुकने और उन कानूनों को वापस लेने से पहले, किसानों ने- जिसमें सबसे अधिक भूमिका पंजाब के किसानों की थी - दिल्ली को एक साल तक घेरे रखा था। प्रधानमंत्री समझते हैं कि जेन-जी के उस विरोध-प्रदर्शन, जिसने युवाओं में सुलगती निराशा को एक नई ऊर्जा और तेवर दिया है, के मद्देनजर पूरे देश में अपनी छवि और प्रचार का ढंग बदलना होगा और इसके लिए उनकी पार्टी को हाल के दिनों की कुछ कड़वी यादों का घूंट पीना पड़ेगा। उन्हें अहसास है कि उनकी पार्टी के लिए यह वरदान है कि राहुल गांधी, जेन-जी का साथ देने की कोशिश में, पंजाब प्रदेश कांग्रेस में लंबे समय से चल रही कलह को सुलझाने के बजाय कुत्तों के वीडियो बना रहे हैं-कांग्रेस नेता की इस बेरुखी का मतलब केवल उनके अंदर पैठ कर चुकी जिद से निकाला जा सकता है, जिसके कारण वे राज्य में पार्टी की कमान किसे सौंपी जाए, इस गतिरोध को तोड़ने को तैयार नहीं। माना जाता है कि राजा वड़िंग का नाम तय करते समय राहुल ने करण जौहर के अंदाज में कहा, 'कह दिया, सो कह दिया', जबकि पंजाब का दूसरा धड़ा चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थन में पुरजोर विरोध कर रहा है। कांग्रेस हर दिन बिखरती जा रही है, इसीलिए शायद प्रधानमंत्री को लगता है कि अब आप विरोधी गठबंधन बनाने का समय आ गया है। क्या बीजेपी उन कई अकाली दलों के लिए एक अनौपचारिक धुरी बन सकती है, जो सुखबीर बादल के भारी दबदबे के कारण मूल पार्टी से टूटकर अलग हो गए ?

परिस्थिति के हिसाब से, क्या इसमें वारिस पंजाब दे भी शामिल हो सकता है? इसके मुख्य नेता अमृतपाल सिंह देश-विरोधी गतिविधियों के आरोप में जेल में हैं, लेकिन अंदाजा लगाएं कि पार्टी में कौन सा नाम उभरकर सामने आया है-मनप्रीत अयाली-अब आप उनके बारे में जो चाहे सोचें। वे अकाली दल के एक प्रभावशाली पूर्व नेता हैं जिन्होंने शिरोमणि अकाली दल छोड़कर 'वारिस पंजाब दे' का दामन थाम लिया है; वे अमृतपाल के नेतृत्व को स्वीकार करते हुए खुद पर कट्टरपंथी या चरमपंथी होने के ठप्पे को सख्ती से नकारते हैं और गर्व से दावा करते हैं कि लुधियाना के आसपास उनके प्रॉपर्टी के धंधे में दूसरे समुदाय के कई लोग काम करते हैं।

हसीना के तेवरों के बाद बांग्लादेश से रिश्तों में तल्खी

पुष्परंजन

कुछ दिन पहले तक भारत से रिश्ते नॉर्मल करने की दिशा में कूटनीतिक प्रयास हो रहे थे, लेकिन एक बार फिर उस पर पानी फिरता नजर आ रहा है। बांग्लादेश ने बुधवार को भारत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को नई दिल्ली में मीडिया के साथ लाइव बातचीत करने की अनुमति देने पर नाराजगी जताई है। बांग्लादेश का कहना है कि इस कदम से हमारे लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और यह दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध बनाने की कोशिशों के लिए नुकसानदेह है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ढाका ने भारत सरकार को पहले ही अपनी चिंताएं बता दी थीं। इस तरह का कार्यक्रम दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को सुधारने की कोशिशों को कमजोर कर सकता है।

मंत्रालय ने खेद जताया कि जुलाई क्रांति की दूसरी बरसी पर शेख हसीना का मीडिया संवाद बांग्लादेश की संप्रभुता की अवमानना है और जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों का अपमान भी है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि 2013 में हुई बांग्लादेश-भारत प्रत्यर्पण संधि के तहत हसीना की वापसी के लिए बांग्लादेश के बार-बार किए गए अनुरोधों का अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। भारत ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के उस वर्चुअल भाषण के आयोजन में किसी भी भूमिका से इनकार किया है, जो उन्हें सत्ता से हटाने वाले विद्रोह की दूसरी बरसी के मौके पर हुआ था। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'सरकार की इसमें कोई भूमिका नहीं है और वह इस मंच पर व्यक्त किए जाने वाले किसी भी विचार का समर्थन नहीं करती है।' 78 वर्षीय हसीना बुधवार को नई दिल्ली में फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अपने बेटे साजीब वाजेद जॉय और अन्य वक्ताओं के साथ पहली बार सार्वजनिक रूप से (वीडियो लिंक के जरिए) दिखाई दी थीं। ढाका से भागने के बाद यह उनका पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था। लेकिन उस वीडियो को बांग्लादेश में कोई न देखे, इसकी तैयारी ढाका ने पहले से कर रखी थी।

दोनों देशों के बीच नए सिरे से जो तल्खी हुई है, उसमें शक है कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान नई दिल्ली आएंगे। भारत ने 12 और 13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में शामिल होने के लिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को आमंत्रित किया है। शेख हसीना के बयान के बाद ढाका इस पर पुनर्विचार करने लगा है। यों, भारत ने यह आमंत्रण बांग्लादेश को ब्रिक्स सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि क्षेत्रीय संगठन बिम्सटेक के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में दिया है। शेख हसीना ने यह बयान इस वक्त क्यों दिया है? उसकी टाइमिंग पर ध्यान दिया जाना चाहिए। क्या वो नहीं चाहतीं कि बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान और पीएम मोदी के रिश्ते बेहतर हों दिनेश त्रिवेदी को ढाका में उच्चायुक्त बनाकर भेजने का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक नौकरशाही से हटकर एक कद्दावर राजनेता के जरिए रणनीतिक संवाद स्थापित करना था। 18 महीने के अंतराल के बाद कोलकाता-ढाका के बीच और ढाका-अगरतला के बीच बस सेवाएं चल रही हैं। जब मध्य पूर्व में युद्ध छिड़ा और वैश्विक ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई, तो दिल्ली ने सीमा-पार फ्रेंडशिप पाइपलाइन के जरिए ईंधन भेजा।

लेकिन, दिनेश त्रिवेदी सांप-सीढ़ी वाले खेल में फंस गए लगते हैं। फरवरी, 2026 के आम चुनाव के बाद जिस तरह बीएनपी सत्ता में आई, लोग व्यापक बदलाव की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन, अब वो निराशा में बदलने लगी है। नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के संयोजक नाहिद इस्लाम ने कहा, 'आम लोगों को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कोई राहत नहीं मिली है।' गुरुवार को 11 पार्टियों के गठबंधन ने ढाका में धरना दिया, जिसमें गैस, बिजली और आवश्यक वस्तुओं के मौजूदा संकट का विरोध किया गया और 10 सूत्रीय मांगों का चार्टर पेश किया गया। गठबंधन ने सितंबर से नवंबर तक विरोध कार्यक्रमों की घोषणा की है। मुक्तांगन में रैली के बाद जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान, नेशनल सिटिजन पार्टी के संयोजक नाहिद इस्लाम, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष कर्नल (रिटायर्ड ओली अहमद और गठबंधन के अन्य नेताओं ने सचिवालय की ओर मार्च किया।

घरेलू गैस की कीमतें कम करने, बिना रुकावट पाइपलाइन गैस आपूर्ति और हर घर तक बिजली पहुंचाने की मांग की। शेख हसीना इसी का इंतजार कर रही थीं, जब देश में क्रांति करने वाले चेहरे अपने किए पर अफसोस प्रकट करें। अब जब शेख हसीना खुद बांग्लादेश जाना चाहती हैं, क्या नया निजाम उन्हें आने से रोकेगा? मगर, ढाका-दिल्ली के बीच बनते-बिगड़ते संबंधों की एकमात्र वजह शेख हसीना नहीं हैं। चीन ने भी अपना खेल जारी रखा है। याद कीजिए, जब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस 26 से 29 मार्च, 2025 तक चीन के दौरे पर थे, तब आठ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। चीन लगातार 15 सालों से बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है। बांग्लादेश में लगभग 1,000 चीनी कंपनियां काम कर रही हैं, जिन्होंने देश में 5,50,000 से ज्यादा नौकरियां पैदा की हैं। फरवरी 2025 में, बांग्लादेश की आठ राजनीतिक पार्टियों के 22 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल 13 दिन की चीन यात्रा पर गया था। प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 24 से 26 जून, 2026 के बीच चीन की आधिकारिक यात्रा की।

घर पर बनाएं हलवाई जैसे मुलायम गुलाब जामुन

भारत में त्योहारों का जिक्र हो और मिठाइयों की बात न हो, ऐसा शायद ही कभी होता है। परिवार का कोई खास समारोह, हर खुशी मीठे स्वाद के बिना अधूरी लगती है। ऐसे अवसरों पर गुलाब जामुन सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली पारंपरिक मिठाइयों में शामिल है। इसकी मुलायम बनावट, मीठी चाशनी और लाजवाब स्वाद हर उम्र के लोगों को पसंद आता है। अक्सर लोग सोचते हैं कि बाजार जैसे रसदार और स्पंजी गुलाब जामुन घर पर बनाना मुश्किल होता है, लेकिन सही सामग्री और कुछ आसान टिप्स अपनाकर इसे आसानी से तैयार किया जा सकता है। घर पर बने गुलाब जामुन न केवल ताजे और स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि इनमें आप अपनी पसंद के अनुसार मिठास और शुद्ध सामग्री का भी ध्यान रख सकते हैं। अगर आप अपने परिवार और मेहमानों को घर की बनी खास मिठाई खिलाना चाहते हैं, तो यह आसान रेसिपी आपके लिए बिल्कुल सही है।

सामग्री

स्वादिष्ट गुलाब जामुन बनाने के लिए, 250 ग्राम मावा (खोया), 3 बड़े चम्मच मैदा, एक चुटकी बेकिंग सोडा, 2 कप चीनी, 2 कप पानी, 4-5 इलायची, कुछ केसर के धागे (वैकल्पिक), घी या रिफाइंड तेल तलने के लिए, पिस्ता या बादाम की कतरन (सजावट के लिए), अच्छी गुणवत्ता का खोया इस्तेमाल करने से गुलाब जामुन ज्यादा मुलायम बनते हैं।

विधि

सबसे पहले खोए को अच्छी तरह मसल लें ताकि उसमें कोई दाने न रहें। अब इसमें मैदा और बेकिंग सोडा मिलाकर नरम आटा तैयार करें। इस मिश्रण से छोटे-छोटे चिकने गोले बनाएं। ध्यान रखें कि गेंदों में कोई दरार न हो, क्योंकि दरारें होने पर तलते समय गुलाब जामुन फट सकते हैं। कड़ाही में घी या तेल को मध्यम गर्म करें। आंच धीमी रखें और गुलाब जामुन को लगातार चलाते हुए सुनहरा भूरा होने तक तलें। तेज आंच पर तलने से वे बाहर से जल सकते हैं और अंदर से कच्चे रह जाते हैं। तलने के तुरंत बाद गर्म गुलाब जामुन को हल्की गर्म चाशनी में डाल दें और कम से कम 2 घंटे तक भीगने दें। इससे वे बेहद मुलायम और रसदार बनेंगे। गुलाब जामुन को गर्म या ठंडा दोनों तरह से परोसा जा सकता है। इसे वनीला आइसक्रीम, रबड़ी या सूखे मेवों के साथ सर्व करने से स्वाद और भी शानदार हो जाता है। अगर त्योहार पर पहले से तैयारी करनी हो तो गुलाब जामुन एक दिन पहले बनाकर फ्रिज में रख सकते हैं। परोसने से पहले हल्का गर्म कर लें ताकि स्वाद बिल्कुल ताजा लगे।

चाशनी बनाने का तरीका

एक बर्तन में चीनी और पानी डालकर मध्यम आंच पर उबालें। इसमें इलायची और केसर डाल दें। लगभग 8-10 मिनट तक पकाकर हल्की चाशनी तैयार करें। चाशनी बहुत गाढ़ी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि पतली चाशनी में ही गुलाब जामुन अच्छी तरह रस सोखते हैं और अंदर तक मीठे बनते हैं।

घर पर बनाएं क्रिस्पी स्प्रिंग रोल्स

स्प्रिंग रोल्स एक ऐसी डिश है जिसे लगभग हर उम्र के लोग पसंद करते हैं। चाहे पार्टी हो, शाम की चाय का समय या हल्की भूख, स्प्रिंग रोल्स हर मौके पर फिट बैठते हैं। आमतौर पर लोग इन्हें बाहर से मंगवाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन्हें घर पर बनाना बेहद आसान है? कुछ साधारण सब्जियों और सामान्य सामग्री के साथ आप मिनटों में स्वादिष्ट और कुरकुरे स्प्रिंग रोल्स तैयार कर सकते हैं। घर पर बने स्प्रिंग रोल्स न केवल ज्यादा हेल्दी होते हैं, बल्कि आप इन्हें अपनी पसंद के अनुसार स्वाद दे सकते हैं, जैसे ज्यादा स्पाइसी, कम ऑयली या एक्स्ट्रा क्रिस्पी। खास बात यह है कि यह रेसिपी बहुत ज्यादा समय भी नहीं लेती और इसे बनाने के लिए किसी खास कुकिंग स्किल की जरूरत नहीं होती। अगर आप भी अपने परिवार या मेहमानों को कुछ खास खिलाना चाहते हैं, तो यह आसान स्प्रिंग रोल रेसिपी आपके लिए परफेक्ट है।

सामग्री

स्प्रिंग रोल शीट, बारीक कटी पत्ता गोभी, गाजर, शिमला मिर्च, हरी मिर्च सोया सॉस, नमक, काली मिर्च, थोड़ा सा तेल। आप चाहें तो इसमें नूडल्स या पनीर भी मिला सकते हैं, जिससे स्वाद और बढ़ जाएगा।

विधि

सबसे पहले एक पैन में तेल गर्म करें। उसमें हरी मिर्च डालें और फिर सारी सब्जियां डालकर तेज आंच पर 2-3 मिनट तक भूनें। ध्यान रखें कि सब्जियां ज्यादा सॉफ्ट न हों। अब इसमें सोया सॉस, नमक और काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब एक स्प्रिंग रोल शीट लें, उसमें तैयार स्टफिंग रखें। किनारों को मोड़ते हुए टाइट रोल बना लें। किनारों को सील करने के लिए मैदा का घोल इस्तेमाल करें ताकि रोल खुलें नहीं।

हंसना मना है

प्यार को मत छुपाओ उसे जरुरत है जताने की, अपनी प्रतिभाओं को मत छुपाओ उन्हें जरुरत है बढ़ाने की, अब और परफ्यूम मत लगाओ तुम्हें जरुरत है नहाने की।

तु चांद मांग मैं चांद दे दूं, तु रात मांग मैं रात दे दूं, तु दिल मांग मैं दिल दे दूं, तु प्यार मांग, क्या यार, भीक मांगने की भी एक लिमिट होती है।

तुम क्या जानो गम क्या होता है? तुम क्या जानो गम किसे कहते है? तुम क्या जानो गम क्या चीज होती है? तुमने तो हमेशा फेवीकोल यूज किया है!

दिल की बात दिल में मत रखना, जो पसंद हो उसे आईएलयू कहना, अगर वो गुस्से में आ जाये तो डरना मत, राखी निकालना और कहना, प्यारी बहना मिलती रहना।

इतनी हसीन हैं आप, खुद को दुनिया की नजरों से बचाया करो! आंखों में काजल लगाना काफी नहीं! गले में लिंबु-मिर्ची भी लटकाया करो।

कहानी | लड़ती बकरियां और सियार

बहुत समय पहले की बात है। एक जंगल में किसी बात को लेकर दो बकरियों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े को वहां से गुजर रहा एक साधु देख रहा था। देखते ही देखते दो बकरियों में झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों आपस में लड़ने लगीं। उसी समय वहां से एक सियार भी गुजरा। वह बहुत भूखा था। जब उसने दोनों बकरियों को झगड़ते देखा, तो उसके मुंह में पानी आ गया। बकरियों की लड़ाई इतनी बढ़ गई थी कि दोनों ने एक-दूसरे को लहूलुहान कर दिया था, लेकिन फिर भी लड़ना नहीं छोड़ रही थीं। दोनों बकरियों के शरीर खून निकलने लगा था। भूखे सियार ने जब जमीन पर फैले खून की तरफ देखा, तो उसे चाटने लगा और धीरे-धीरे उनके करीब जाने लगा। उसकी भूख और ज्यादा बढ़ गई थी। उसके मन में आया कि क्यों न दोनों बकरियों को मारकर अपनी भूख मिटाई जाए। वहीं, दूर खड़ा साधु यह सब देख रहा था। जब उसने सियार को दोनों बकरियों के बीच जाते हुए देखा, तो सोचा कि अगर सियार इन दोनों बकरियों के और करीब गया, तो उसे चोट लग सकती है। यहां तक कि उसकी जान भी जा सकती है। साधु अभी यह सोच ही रहा था कि सियार दोनों बकरियों के बीच पहुंच गया। बकरियों ने जैसे ही उसे अपने पास आते देखा, तो दोनों ने लड़ना छोड़कर उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से सियार अपने आप को संभाल नहीं सका और चोटिल हो गया। वह किसी तरह से अपनी जान बचाकर वहां से भागा। सियार को भागता देख बकरियों ने भी लड़ना छोड़ दिया और अपने घर लौट गईं। वहीं, साधु भी अपने घर की ओर चल दिया।

कहानी से सीख: हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। साथ ही दूसरों की लड़ाई में नहीं कूदना चाहिए, इससे हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

भूमि या वाहन से जुड़े अटके काम आसानी से निपटेंगे। पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाने में आपकी कार्यकुशलता दिखेगी। छाती या एसिडिटी की समस्या हो सकती है।

वृषभ

साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी, व्यापारिक फैसले सटीक साबित होंगे। छोटे भाई-बहनों और मित्रों का हर कदम पर सहयोग मिलेगा। दिनभर ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा।

मिथुन

आर्थिक मोर्चे पर दिन लाभदायक रहेगा, आय के नए अवसर मिलेंगे। पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा और प्रियजनों के साथ समय बीतेगा। व्यावसायिक लाभ होगा।

कर्क

आपकी राशि में चंद्रमा, सूर्य, बुध और गुरु का अद्भुत संयोग रहेगा। मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास में अप्रत्याशित वृद्धि होगी। सेहत उत्तम रहेगी।

सिंह

अनावश्यक खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है विदेश या दूर स्थान से जुड़ा व्यापार करने वालों को फायदा होगा। नींद पूरी न होने से शारीरिक सुस्ती या आंखों में थकान रह सकती है।

कन्या

आय के साधनों में वृद्धि होगी और अटका हुआ धन वापस मिलेगा। आपकी राशि में शुक्र होने से आकर्षण और कलात्मकता चरम पर रहेगी।

तुला

कार्यक्षेत्र और करियर के लिहाज से दिन बेहद अनुकूल रहेगा। वरिष्ठ अधिकारियों का पूर्ण समर्थन मिलेगा, नई जिम्मेदारी संभव है। खानपान का ध्यान रखें।

वृश्चिक

भाग्य का पूरा साथ मिलने से अटके हुए काम अपने आप बनने लगेंगे। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा या लंबी दूरी की यात्रा के योग बन रहे हैं।

धनु

वित्तीय मामलों में थोड़ी सतर्कता बरतें, जोखिम भरे निवेश से बचें। कारोबार में अचानक आए बदलावों को समझदारी से संभालें। खानपान पर नियंत्रण रखें।

मकर

व्यापारिक साझेदारी से बड़ा फायदा और नए अनुबंध मिल सकते हैं। दैनिक रोजगार में वृद्धि होगी और आय के नए रास्ते खुलेंगे। दिनचर्या को अनुशासित रखें।

कुम्भ

प्रतिस्पर्धियों और विरोधियों पर आपकी कूटनीतिक जीत होगी। नौकरी-पेशा लोगों के लिए दिन सफलता से भरा रहेगा। मौसम के प्रभाव से बचें, जोड़ों में हल्का दर्द संभव है।

मीन

वक्री शनि के प्रभाव से कार्यों में निरंतरता और अनुशासन जरूरी है। विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए दिन अत्यंत फलदायी रहेगा। सुबह की सैर को अपनी दिनचर्या में रखें।

बॉलीवुड | मन की बात

राष्ट्रगान गाना हमारे लिए हमेशा गर्व का पल रहा है : श्रेया घोषाल

श्रेया घोषाल ने अपने करियर में कई सुपर हिट गाने दिए हैं। अब उन्होंने हाल ही में उन्होंने राष्ट्रगान 'जन गण मन' को अपनी आवाज दी है, जिसके बाद उन्होंने अपने अनुभव को भी शेयर किया। श्रेया घोषाल ने कहा कि एक कलाकार के लिए इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है कि उसे ऐसे गीत को अपनी आवाज देने का मौका मिले, जो पूरे देश को एक भावना और पहचान के साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा, 'एक कलाकार के लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है कि उसे ऐसे गीत को अपनी आवाज देने का मौका मिले, जो पूरे देश को एक भावना और एक पहचान के साथ जोड़ता है? मुझे खुशी है कि मेरी यह प्रस्तुति अब सभी लोगों के लिए जारी की जा रही है।'श्रेया ने आगे कहा कि वह चाहती हैं कि लोग उनके इस वर्जन को अपने-अपने तरीके से महसूस करें और राष्ट्रगान के साथ अपने भावनात्मक जुड़ाव को और मजबूत करें। श्रेया घोषाल ने सोशल मीडिया पर भी 'जन गण मन' के इस खास वर्जन को शेयर किया है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, 'मेरे लिए बेहद गर्व और सम्मान का क्षण है। पेश है 'जन गण मन' का मेरा वर्जन।' श्रेया घोषाल भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री की सबसे मशहूर सिंगर्स में से एक हैं। उन्होंने हिंदी के अलावा बंगाली, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और मराठी समेत 20 से ज्यादा भाषाओं में 3,000 से ज्यादा गाने गाए हैं। उन्होंने साल 2002 में संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' से प्लेबैक सिंगर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में उनके गाए 'बैरी पिया', 'सिलसिला ये चाहत का', 'डोला रे डोला', 'मोरे पिया' और 'काहे छेड़ मोहे' जैसे गाने काफी पसंद किए गए थे। 'देवदास' के गानों ने श्रेया को रातोंरात पहचान दिला दी थी। इसके बाद उन्होंने अपने करियर में पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपनी शानदार आवाज और गायकी के लिए श्रेया को कई बड़े और प्रतिष्ठित अवॉर्ड भी मिल चुके हैं। इनमें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी शामिल है।

एक गलती की वजह से बिग बी को मांगनी पड़ी माफी

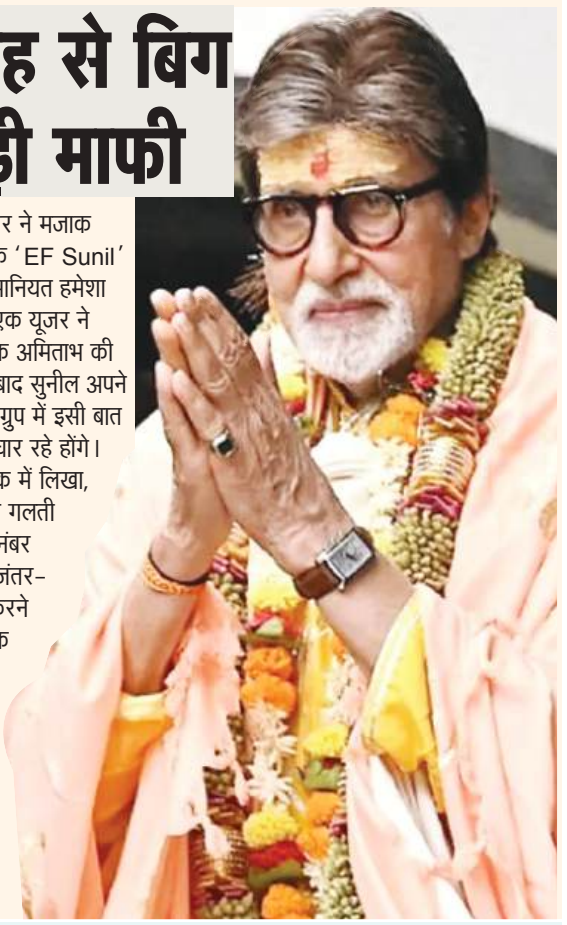

अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। खासकर ङ्क (पहले ट्विटर) पर वह अपने पोस्ट को नंबर देने के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी नंबरिंग में उनसे भी गलती हो जाती है और बाद में वह उसे ठीक भी कर देते हैं। हाल ही में अमिताभ बच्चन से ऐसी ही एक गलती हुई, जिसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस ने जमकर मजे लिए।

अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने एक्स पोस्ट की नंबरिंग में गलती कर दी। उन्होंने पोस्ट नंबर 5817 के बाद गलती से अगली पोस्ट को 5718, फिर 5719 और आगे इसी तरह नंबर कर दिया।

जब एक फैन ने अमिताभ बच्चन का ध्यान इस गलती की तरफ दिलाया तो उन्होंने तुरंत इसे ठीक किया। अभिनेता ने लिखा, 'नंबरिंग में मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई, माफी चाहता हूं। 5817 के बाद इसे 5818, 5819 और 5820 होना चाहिए था।'

अमिताभ ने उस फैन का शुक्रिया भी अदा किया, जिसने उनकी गलती पकड़ी थी। उन्होंने लिखा, 'मुझे सुधारने के लिए धन्यवाद EF सुनील'यहां अमिताभ ने 'EF' का इस्तेमाल अपने फैंस के लिए किया है, जिसका मतलब वह 'एक्सटेंडेड फैमिली' यानी अपना बढ़ा हुआ परिवार बताते हैं।

अमिताभ बच्चन के पोस्ट की नंबरिंग में हुई इस गलती के बाद एक्स पर लोगों ने तरह-तरह के मीम्स और GIF शेयर करना शुरू कर दिए। एक यूजर ने मजाक करते हुए लिखा कि 'EF Sunil' के योगदान को इंसानियत हमेशा याद रखेगी। वहीं एक यूजर ने मजाक में लिखा कि अमिताभ की गलती पकड़ने के बाद सुनील अपने व्हाट्सएप फैमिली ग्रुप में इसी बात को लेकर शेखी बघार रहे होंगे। एक यूजर ने मजाक में लिखा, 'अच्छा हुआ आपने गलती मान ली, वरना मैं नंबर लीक के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाला था।' वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, 'गलती मानने और उसे सुधारने के लिए शुक्रिया सर। वरना पूरे देश में बहुत बड़ा प्रदर्शन हो जाता।

इन फिल्मों में नजर आएंगे बिग बी

वर्कफ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन आखिरी बार तेलुगु फिल्म 'कल्कि 2898 AD' में नजर आए थे। वह फिलहाल इसके सीक्वल की शूटिंग कर रहे हैं। इसके अलावा वह तमिल फिल्म 'वेट्टैयन' में भी नजर आ चुके हैं।

इमरान हाशमी ने आवारापन-2 में ली हाईफाई फीस

इमरान हाशमी की कल्ट क्लाकिस फिल्म 'आवारापन' का सीक्वल 'आवारापन 2' जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है। फिल्म में दिशा पटानी और शबाना आजनी भी अहम किरदारों में नजर आएंगी। जानिए इन एक्टर्स ने फिल्म के लिए कितनी फीस चार्ज की है।

फिल्म 'आवारापन 2' को लेकर दर्शकों के बीच काफी बज बना हुआ है। फिल्म की रिलीज से पहले अब इसकी स्टारकास्ट की कथित फीस को लेकर भी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी फिल्म के सबसे ज्यादा फीस

लेने वाले एक्टर हैं।

न्यूज24 की रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी को 'आवारापन 2' में अपने आइकॉनिक किरदार शिव पंडित को दोबारा निभाने के लिए करीब 12 करोड़ रुपये फीस दी जा रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह फीस उन्हें 2007 में आई पहली फिल्म 'आवारापन' के लिए मिली रकम से करीब 10 गुना ज्यादा है। फिल्म में दिशा पाटनी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें 'आवारापन 2' के लिए करीब 5 करोड़ रुपये फीस मिल रही है। दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी भी 'आवारापन 2' का हिस्सा हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म में अहम भूमिका निभाने के लिए उन्हें करीब 2 करोड़ से 5 करोड़ रुपये के बीच फीस दी गई है। फिलहाल ये सभी फीस के आंकड़े रिपोर्ट्स पर आधारित हैं और मेकर्स या कलाकारों की तरफ से इनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

'आवारापन 2' में इमरान हाशमी एक बार फिर शिवम पंडित के किरदार में नजर आएंगे। उनके साथ दिशा पटानी, शबाना आजमी, सुविंदर विक्की, विजयंथ कोहली, अनिरुद्ध रावल और अतुल कुमार भी फिल्म का हिस्सा हैं।

फिल्म का म्यूजिक मिथून, जीत गांगुली, अमाल मलिक और अखिल सचदेवा ने दिया है, जबकि डायरेक्शन नितिन कक्कड़ कर रहे हैं।

अजब-गजब | स्टाइल से नहीं है कोई रिश्ता, जिंदगी और मौत का है सवाल!

अफ्रीकी महिलाएं क्यों बनाती हैं अनोखी चोटी?

अफ्रीकी मूल की महिलाओं के बालों की चोटियां दुनिया भर में अपनी अनोखी स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। बेहद टाइट, जटिल और कलात्मक तरीके से गूंथी गई ये चोटियां अक्सर फैशन और संस्कृति का प्रतीक मानी जाती हैं। लेकिन इनके पीछे एक गहरा और दर्द भरा इतिहास छिपा है जो सिर्फ सुंदरता से जुड़ा नहीं है।

ये चोटियां कभी जिंदगी और मौत के सवाल से जुड़ी थीं। गुलामी के काल में अफ्रीकी और अफ्रीकी-वंशीय महिलाओं ने इनके जरिए अपने और अपने समुदाय के जीवित रहने का रास्ता निकाला था। इतिहासकारों और सांस्कृतिक अध्ययनों के अनुसार सूरीनाम और अमेरिका के अन्य हिस्सों में गुलामी के दौरान अफ्रीकी महिलाओं ने अपने बालों की चोटियों में बीज या अनाज के दाने छिपाए रखने की प्रथा अपनाई थी। जब उन्हें जबरन विस्थापित किया जाता या वे भागने की कोशिश करतीं तो ये बीज उनके साथ रहते। सुरक्षित जगह पहुंचने पर वे उन बीजों को बो देतीं। इससे परिवार और समुदाय के लिए भोजन उपलब्ध होता था। इस तरह चोटियां सिर्फ बाल संवारने का तरीका नहीं बल्कि प्रतिरोध, स्मृति और आशा का सशक्त प्रतीक बन गई। अफ्रीका से लाए गए लोग अपने साथ कृषि ज्ञान भी लेकर आए थे। मक्का, चावल, ओकरा जैसी

फसलों के बीज उनके जीवन का आधार थे। गुलाम बनाए जाने के बाद जब उन्हें जमीन से काट दिया गया तो भोजन की कमी एक बड़ी समस्या बन गई। महिलाओं ने बालों को जटिल पैटर्न में गूंथकर उनमें छोटे-छोटे बीज छिपाने का तरीका निकाला। टाइट चोटियां बीजों को सुरक्षित रखतीं और पकड़े जाने पर आसानी से नजर नहीं आतीं थी। यह एक मौन विद्रोह था जो शारीरिक स्वतंत्रता के साथ-साथ सांस्कृतिक और आर्थिक अस्तित्व से जुड़ा था। ये चोटियां पीढ़ियों तक चली आईं। आज भी कई अफ्रीकी और अफ्रीकी-अमेरिकी महिलाएं पारंपरिक तरीकों से बाल गूंथती हैं।

कॉर्नरो, बॉक्स ब्रेड्स, गाना ब्रेड्स जैसी शैलियां सिर्फ फैशन नहीं बल्कि विरासत का हिस्सा हैं। इनमें से कई पैटर्न पुराने समय की याद दिलाते हैं जब बालों के जरिए संदेश भी दिए जाते थे। कुछ अध्ययनों में कहा गया है कि चोटियों के पैटर्न से रास्ते का नक्शा या सुरक्षित स्थान की जानकारी भी छिपाई जाती थी। हालांकि बीज छिपाने वाली प्रथा सबसे व्यावहारिक और जीवन रक्षक साबित हुई। सोशल मीडिया पर जब यह ऐतिहासिक तथ्य शेयर किया जाता है तो लोग हैरान रह जाते हैं। कई यूजर्स लिखते हैं कि वे इन्हें सिर्फ स्टाइल मानते थे लेकिन अब सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। अफ्रीकी महिलाओं की मेहनत, सूझबूझ और साहस की तारीफ होने लगती है। कुछ पोस्ट्स में पुरानी तस्वीरें या चित्रण भी लगाए जाते हैं जो उस दौर की याद दिलाते हैं। यह चर्चा सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने का काम करती है। गुलामी का इतिहास दर्दनाक है लेकिन उसमें प्रतिरोध की कहानियां भी भरी पड़ी हैं। महिलाएं ना सिर्फ शारीरिक श्रम करती थीं बल्कि परिवार को जिंदा रखने की जिम्मेदारी भी उठाती थीं। बीज छिपाना एक छोटा लेकिन क्रांतिकारी कदम था।

ऑनलाइन शॉपिंग से मिलता था सुकून, महिला ने कर डाली 258 करोड़ की खरीदारी

कई लोग तनाव कम करने के लिए संगीत सुनते हैं, फिल्म देखते हैं या दोस्तों के साथ समय बिताते हैं। लेकिन जापान में एक महिला ने स्ट्रेस दूर करने के लिए ऐसा तरीका अपनाया, जिसे सुनकर शायद आप भी हैरान रह जाएंगे। महिला ऑनलाइन शॉपिंग साइट पर एनीमे कैरेक्टर्स से जुड़े सामान देखती थी और सामान को ऑर्डर करने से उसे काफी सुकून मिलता था। हैरानी की बात यह है कि उसने करीब दो साल में 258 करोड़ रुपये से ज्यादा के सामान के ऑर्डर कर डाले, लेकिन इनमें से एक भी प्रोडक्ट उसके घर नहीं पहुंचा। जापान की 32 वर्षीय महिला योशिदा पर आरोप है कि वह ऑनलाइन स्टोर से सामान ऑर्डर करने के बाद अलग-अलग तरीकों से उसे कैंसिल करवा देती थी। कई बार वह डिलीवरी के लिए अपना सही पता देने के बजाय गलत या नकली पता इस्तेमाल करती थी। ऐसे में डिलीवरी एजेंट किसी दूसरे घर तक पहुंच जाता और सामान महिला तक पहुंचने से पहले ही ऑर्डर रद्द हो जाता था। कुछ मामलों में उसने पार्सल की पेमेंट के लिए कन्वीनियंस स्टोर का विकल्प चुना, लेकिन तय समय के अंदर भुगतान नहीं किया। वहीं कुछ ऑर्डर में उसने कैश ऑन डिलीवरी के समय सामान लेने से साफ इनकार कर दिया। इस तरह ऑर्डर करने और फिर उसे कैंसिल कराने का सिलसिला लगातार चलता रहा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह सिलसिला करीब दो साल तक चला और इस दौरान महिला ने 2,000 से ज्यादा ऑर्डर अलग-अलग तरीकों से कैंसिल किए। बार-बार ऑर्डर कैंसिल होने से सिर्फ ऑनलाइन स्टोर का काम ही प्रभावित नहीं हुआ, बल्कि कंपनी को डिलीवरी और उससे जुड़े खर्चों का भी नुकसान उठाना पड़ा। जापानी ब्रॉडकास्टर स्नह्ह प्राइम ऑनलाइन के मुताबिक, इस पूरी प्रक्रिया में शुएशा के Jump Characters Store को करीब 75 लाख येन यानी लगभग 45 लाख रुपये का नुकसान हुआ। कंपनी के लिए परेशानी इसलिए भी बढ़ी क्योंकि जिन प्रोडक्ट्स को महिला बार-बार बुक करती और फिर कैंसिल करती थी, उन्हें उस दौरान दूसरे ग्राहक खरीद नहीं पाते थे। जांच के दौरान योशिदा ने अपने इस व्यवहार की वजह भी बताई। उसके मुताबिक, उसे ऑनलाइन स्टोर पर एनीमे कैरेक्टर्स के सामान देखना काफी पसंद था। रोजमर्रा की जिंदगी में टेंशन ज्यादा होने के कारण जब भी वह किसी सामान के उपलब्ध होने से पहले उसे ऑर्डर करती थी, तो उसे एक अलग तरह की संतुष्टि महसूस होती थी।

वोटर लिस्ट से नाम हटाने पर बंगाल पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की याचिका पर सुनवाई

» अदालत बोली- हर ब्लॉक में एसआईआर ट्रिब्यूनल बनाए जाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में मांग की गई थी कि वोटर लिस्ट से नाम हटाने के खिलाफ अपीलों का तेज़ी से निपटारा करने के लिए पश्चिम बंगाल के हर ब्लॉक में एसआईआर ट्रिब्यूनल बनाए जाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने भारत के चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह पश्चिम बंगाल में पेशल इंटेंसिव रिविजन प्रक्रिया के दौरान वोटर लिस्ट से नाम हटाने के खिलाफ दायर अपीलों पर ट्रिब्यूनल द्वारा किए गए फैसलों का विवरण रिकॉर्ड पर रखे। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में मांग की गई थी कि वोटर लिस्ट से नाम हटाने के खिलाफ अपीलों का तेज़ी से निपटारा करने के लिए पश्चिम बंगाल के हर ब्लॉक में एसआईआर ट्रब्यूनल बनाए जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह बुनियादी ढांचे और मामलों के निपटारे के लिए समय-सीमा तय करने जैसी अन्य चिंताओं पर विचार करने से पहले, मौजूदा ट्रिब्यूनल द्वारा संभाले और निपटाए जा रहे मामलों की संख्या का आकलन करना चाहता है। बेंच ने चुनाव आयोग से ट्रिब्यूनल के कामकाज के बारे में खास जानकारी मांगी, जिसमें अभी चल रहे ट्रिब्यूनल की संख्या, उनके काम के घंटे और निपटाई गई अपीलों की संख्या शामिल है। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता ने अपील निपटाने के लिए एक समय-सीमा तय करने का निर्देश देने की मांग की। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि वह इस चरण में समय-सीमा तय करने की स्थिति में नहीं है। एक अन्य याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट विकास रंजन भट्टाचार्य ने भी ट्रिब्यूनल के लिए उपलब्ध बुनियादी ढांचे के बारे में चिंता जताई। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि बुनियादी ढांचे और कामकाज से जुड़े अन्य मुद्दों पर विचार करने से पहले वह निपटान के आंकड़ों की जांच करेगा। कार्यवाही के दौरान उन लोगों को राशन और अन्य कल्याणकारी लाभ न मिलने के बारे में भी बातें हुईं, जिनके नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं, जबकि ऐसे हटाने के खिलाफ उनकी अपील अभी भी लंबित है।

बोझ-कामकाज का आकलन करने में मदद करें

जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा, समय-सीमा? वह हम तय नहीं कर सकते, पहले हमें ट्रिब्यूनल के फैसलों की संख्या और उनकी सही-गलत होने की जांच करने दें। बेंच ने संकेत दिया कि निपटान के आंकड़े उसे ट्रिब्यूनल के काम के बोझ और कामकाज का आकलन करने में मदद करेंगे, ताकि यह तय किया जा सके कि आगे और निर्देश देने की ज़रूरत है या नहीं। वहीं कलकत्ता उच्च न्यायालय ने जमीयत ए उलेमा को कुछ शर्तों के साथ रैली आयोजित करने की अनुमति दे दी और मंजूरी देने से पुलिस के इनकार करने पर नाराजगी जताई। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने याचिकाकर्ता और उनके संगठन को पूर्वाह्न 11.30 बजे से दोपहर एक बजे तक राजाबाजार से मौलाली तक रैली निकालने की अनुमति दी।

दस हजार युवाओं को दिलाएंगे नौकरी : पीके

» जनसुराज अध्यक्ष ने मांगा सीवी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने बिहार के बांकीपुर निर्वाचन क्षेत्र में अगले एक-दो साल में कम से कम दस हजार युवाओं को नौकरी दिलाने में मदद करने का वादा किया है। उन्होंने परिवारों से अपील की है कि वे अपने पढ़े-लिखे लेकिन बेरोजगार बच्चों के सीवी और बायोडाटा उनके ऑफिस भेजें। किशोर ने यह घोषणा मंगलवार को उपचुनाव जीतने के बाद बांकीपुर के अपने पहले दौरे के दौरान की। आभार व्यक्त करने के लिए किए गए इस दौरे के तहत, उन्होंने मतदाताओं से मुलाकात की और उनके समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वे देश भर की कंपनियों और लोगों के साथ अपने नेटवर्क का इस्तेमाल करके योग्य युवाओं को प्राइवेट सेक्टर में नौकरी दिलाने में मदद करेंगे।

हालांकि, किशोर ने साफ़ किया कि वे सरकारी नौकरी की गारंटी नहीं दे सकते और कहा कि कुछ युवाओं को काम के लिए शुरुआत में बिहार से बाहर जाना पड़ सकता है। चुनाव जीतने के बाद पांच-छह दिनों तक अपने चुनाव क्षेत्र से दूर रहने की आलोचना का जवाब देते हुए किशोर ने कहा कि मैं कहीं घूम नहीं रहा हूं। मैं आपके लिए काम कर रहा हूं। उन्होंने उन परिवारों से अपील की जिनके बच्चे पढ़े-लिखे तो हैं लेकिन बेरोजगार हैं, कि वे अपने सीवी तैयार करें और उनके ऑफिस में जमा करें। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य अगले एक-दो साल में बांकीपुर के कम से कम 1 हजार परिवारों की मदद करना है ताकि उनके बच्चों को नौकरी मिल सके। किशोर ने कहा कि अगर बिहार में जन सुराज पार्टी सत्ता में आती है तो हालात बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में पार्टी राज्य के भीतर ही रोजगार के इतने मौके पैदा करने पर ध्यान देगी कि युवाओं को नौकरी की तलाश में बिहार छोड़ने के लिए मजबूर न होना पड़े। उन्होंने अपने चुनाव क्षेत्र के लिए चार मुख्य प्राथमिकताएं भी तय की रोज़गार, शिक्षा, 1,000 रुपये की मासिक पेंशन और अनाज।

हॉकी विश्वकप में अब नहीं होंगे क्वार्टर फाइनल मैच

» 15 अगस्त से शुरू हो रहा है महिला और पुरूष हॉकी विश्वकप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एम्सटरडैम। हॉकी विश्वकप में इस बार सिर्फ टीमें ही नहीं, टूर्नामेंट का पूरा गणित भी बदला हुआ नजर आएगा। 15 अगस्त से नीदरलैंड और बेल्जियम में शुरू हो रहे पुरुष और महिला विश्व कप में क्वार्टर फाइनल का दौर खत्म कर दिया गया है। अब खिताब तक पहुंचने के लिए टीमों को दो ग्रूप चरणों से गुजरना होगा। ऐसे में शुरुआती मुकाबलों की अहमियत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। पिछले कुछ संस्करणों में ग्रूप स्टेज के बाद क्वार्टर फाइनल के जरिए सेमीफाइनलिस्ट तय होते थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा।

पुरुष और महिला दोनों विश्व कप में 16 टीमें हिस्सा लेंगी। इन्हें चार पूल ए, बी, सी और डी में बांटा गया है। हर पूल में चार टीमें होंगी और सभी टीमें अपने पूल की बाकी तीन टीमों से एक-एक मुकाबला खेलेंगी। यानी पहले चरण में हर टीम को तीन मैच मिलेंगे। इन मैचों के बाद हर पूल की रैंकिंग तय होगी। चारों पूल से सिर्फ शीर्ष दो टीमें अगले चरण में जाएंगी। तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें भी टूर्नामेंट से बाहर नहीं होंगी, लेकिन उनका सफर खिताब की दौड़ से खत्म हो जाएगा और वे आगे 9वें से 16वें स्थान के लिए खेलेंगी। पहले चरण के बाद टीमें अपने प्रदर्शन के आधार पर चार नए पूल में बांटी जाएंगी। यानी भारत अगर पूल डी में टॉप-2 में रहता है, तो वह पूल ई में जाएगा और उसका सामना पूल ए से आगे आने वाली दो टीमों से होगा। दूसरे चरण में टीमों को तीन नए मुकाबले खेलने होंगे, लेकिन यहां एक बेहद महत्वपूर्ण नियम है। अगर एक ही शुरुआती पूल की दो टीमें दूसरे चरण में पहुंचती हैं, तो उनके बीच पहले चरण में हुआ मुकाबला दोबारा नहीं खेला जाएगा। उस मैच का परिणाम दूसरे चरण की अंक तालिका में साथ लेकर जाया जाएगा। पूल ई और एफ खिताब की सीधी दौड़ तय करेंगे। दोनों पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

आईपीएल क्रिकेटर अभिषेक पोरेल गिरफ्तार मेडिकल छात्रा ने लगाया दुष्कर्म का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के लिए आईपीएल में खेलने वाले बंगाल के क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को एक आपराधिक मामले में गिरफ्तार किया गया है। एक मेडिकल छात्रा ने अभिषेक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के साथ मारपीट और आपराधिक धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस के मुताबिक, क्रिकेटर को दम दम थाना क्षेत्र स्थित इलामी सिटी से गिरफ्तार किया गया। इससे पहले जून में एक महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि पोरेल ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में उसके साथ मारपीट तथा आपराधिक धमकी दी। शिकायत के अनुसार, महिला का दावा है कि वह और अभिषेक पोरेल करीब तीन वर्षों से रिश्ते में थे। हालांकि, पिछले साल दोनों के बीच मतभेद शुरू हो गए। महिला ने आरोप लगाया कि इसके बाद पोरेल ने उससे दूरी बनानी शुरू कर दी।

रेप के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना पावर का कर रहे गलत इस्तेमाल : प्रमोद तिवारी

» जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद के पास जेल में मिला फोन, कांग्रेस सांसद ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) ने बेंगलुरु स्थित परप्पना अग्रहारा जेल में छापेमारी की. छापेमारी के दौरान जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना और प्रताप राय नाम के एक अन्य कैदी के पास फोन मिले हैं। फोन मिलने के बाद कांग्रेस एमपी प्रमोद तिवारी ने रिएक्ट किया है। उन्होंने कहा- उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। प्रमोद तिवारी ने कहा- वो अपने पिता और दादा को मिले राजनीतिक अधिकारों का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए. कानून के सामने सब बराबर हैं।

पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना और प्रताप राय के खिलाफ परप्पना अग्रहारा जेल में प्रिजन्स एक्ट (जेल अधिनियम) की धारा 42 के तहत मामला दर्ज किया गया है. यह धारा जेल के अंदर या बाहर गैर-कानूनी सामान लाने, बिना इजाजत कैदियों से बात करने या इन नियमों को तोड़ने में मदद करने पर सजा का प्रावधान करती है, जांच अधिकारी नोटिस भेजने और आगे की कार्रवाई शुरू करने से पहले वे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं और और जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं।

साइबर ठगों के नेटवर्क पर पुलिस का प्रहार

» 119 गिरफ्तारियों के बाद कोलकाता-गुजरात तक पहुंची जांच, 4 और आरोपी दबोचे, 3 पुलिसकर्मी निलंबित, 6 लाइन हाजिर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। साइबर अपराध के खिलाफ लखनऊ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। बड़े साइबर अपराध प्रकरण में 119 आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब जांच का दायरा अंतरराज्यीय स्तर तक पहुंच गया है। गिरफ्तार आरोपियों से मिली जानकारी, तकनीकी विश्लेषण और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम ने कोलकाता से तीन और गुजरात से एक अन्य महत्वपूर्ण आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, मामले की विवेचना को सिर्फ घटनास्थल तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि साइबर अपराध से जुड़े पूरे अंतरराज्यीय नेटवर्क और उसके सहयोगियों तक पहुंचने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों के कब्जे से बरामद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य डिजिटल साक्ष्यों का विस्तृत तकनीकी परीक्षण कराया जा रहा है। मामले की समग्र समीक्षा के दौरान सीसीटीवी फुटेज, अभिलेखों और अन्य साक्ष्यों की जांच कराई गई। जांच में कुछ पुलिसकर्मियों की संदिग्ध भूमिका और निर्धारित प्रक्रिया से विचलन से संबंधित तथ्य सामने आने के बाद वसीम खान, श्रीकांत और जितेंद्र को निलंबित किया गया है।

नेटवर्क के हर किरदार की होगी जांच : किरन यादव

लखनऊ पुलिस अब साइबर अपराध से जुड़े पूरे नेटवर्क की पहचान में जुटी है। प्रत्यक्ष रूप से साइबर अपराध में शामिल लोगों के साथ-साथ अपराधियों को सहयोग, संरक्षण या सुविधा देने वालों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, किसी भी व्यक्ति की भूमिका प्रमाणित होने पर उसके खिलाफ नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एडीसीपी क्राइम किरन यादव आईपीएस ने स्पष्ट किया कि साइबर अपराध के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई, तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष विवेचना और अपराध से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को कानून के दायरे में लाना पुलिस की प्राथमिकता है।

संसद का मानसून सत्र : विपक्ष के तेवर और चढ़े

भारी हंगामे से लोस-रास की कार्यवाही होती रही बाधित, एफसीआरआए बिल जेपीसी को भेजा गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में मानसून सत्र के आखिरी दो दिन शेष हैं। मानसून सत्र का 18वां दिन भी हंगामे की भेंट चढ़ गया है। दोनों सदनों की कार्यवाही को दोपहर 2 बजे तक स्थगित किया गया । विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी के बीच लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही फिर शुरू हो गई है।

विपक्ष के लगातार विरोध के बीच लोकसभा ने दो विधेयक बिना चर्चा के पारित कर दिए। इनमें केरल का नाम बदलने और सहकारी क्षेत्र से जुड़े विधेयक शामिल हैं। विपक्ष हाल में हुए छात्र प्रदर्शनों और अन्य मुद्दों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बयान देने की मांग कर रहा है। इसी मांग को लेकर सदन में विरोध जारी है। वहीं एफसीआए बिल पर विपक्ष के विरोध के चलते उसे जेपीसी में भेजने का फैसला किया गया। उधर सदस्य स्थायी समितियों की रिपोर्ट पेश करने के लिए खड़े हुए। इस बीच भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को झारखंड में जारी प्रदर्शन को लेकर टिप्पणी करते हुए सुना गया। उन्होंने छात्रों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राहुल गांधी के इस्तीफे की मांग की।

सांसद सुष्मिता देव ने जॉन ब्रिटास पर टिप्पणी को लेकर दी सफाई

राज्यसभा की कार्यवाही फिर शुरू हो गई है। भाजपा सांसद सुष्मिता देव ने माकपा सांसद जॉन ब्रिटास के खिलाफ कथित

आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर सफाई दी। दिन की शुरुआत में सदन के पटल पर तय दस्तावेज रखे जाने के तुरंत बाद जॉन ब्रिटास ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सुष्मिता देव ने उन्हें लुंगीवाला कहकर निशाना बनाया। वहीं, सुष्मिता देव ने कहा, अगर उन्हें लगता है कि मुझे उनसे मिलकर कुछ कहना चाहिए, तो मैं खुशी से ऐसा करूंगी। मुझे केरल, पूर्वोत्तर, कर्नाटक और वहां के लोगों से बहुत प्यार है। सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि संबंधित सदस्य आपस में मिलकर बात कर सकते हैं और इस गलतफहमी को दूर कर सकते हैं।

संसद आते हैं, सदन में नहीं आते गृहमंत्री : कीर्ति आजाद

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद कीर्ति आजाद ने कहा, छात्रों के खिलाफ पेलेट गन, आंसू गैस और

लाठियों का इस्तेमाल किया गया। यहां तक कि कीलों वाली लाठियों का भी इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा, सरकार ने छात्रों को न्याय दिलाने का वादा किया था, लेकिन अपना वादा पूरा नहीं किया। संसद में आकर जवाब देने वाला कौन था? आज 12 अगस्त है। वह कहां हैं? कीर्ति आजाद ने कहा, वह (केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह) संसद आते हैं, लेकिन जवाब देने के लिए सदन में नहीं आते।

पुलिस कार्रवाई पर शाह जवाब दें : खरगे

» कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- कल कुछ नहीं होगा, संसद में जारी रहेगा विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जवाब की मांग की। उन्होंने कहा कि विपक्ष संसद में अपना रुख बनाए रखेगा। पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा, 'कल कुछ नहीं होगा। हम वही करते रहेंगे जो अब तक करते आ रहे हैं।' आज विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और अमित शाह जवाब दो के नारे लगाए।

विपक्ष ने राष्ट्रीय राजधानी और अन्य राज्यों में छात्रों के खिलाफ पुलिस की ओर से बल प्रयोग किए जाने को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री पर निशाना साधा। एफसीआरए बिल को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने की मांग पर खरगे ने कहा, इसे भेजा जाना चाहिए। एफसीआरए देश में व्यक्तियों, संघों और संगठनों की ओर से विदेशी योगदान लेने और उसके इस्तेमाल को रेगुलेट करता है। इसका मकसद यह पक्का करना है कि ऐसे योगदान का इस्तेमाल उसी मकसद के लिए हो, जिसके लिए वे मिले हैं।

क्या हम चुपचाप बैठे रहें : प्रियंका

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बुधवार को एक बार फिर जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने पुलिस कार्रवाई, प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर सरकार से जवाब मांगे। मीडिया से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि जब युवा अपने भविष्य के लिए आवाज उठाते हैं तो उनके साथ होने वाले व्यवहार के लिए कौन जिम्मेदार है?

फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल, 26 को 25 मार्च को लोकसभा में पेश किया गया था और अभी संसद में इस पर विचार चल रहा है। संशोधित एफसीआरए नियम, 26 को 22 जून को नोटिफाई किया गया था और ये लागू हैं। लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदनों की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

दिल्ली में स्वाइन फ्लू के 1349 मामले मिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस मानसून के मौसम में दिल्ली में स्वाइन फ्लू के मामले बढ़ गए हैं और राजधानी में इस साल अब तक एच1एन1 वायरस के 1,349 पुष्ट मामले दर्ज किए गए हैं। सरकार ने कहा है कि अस्पताल मरीजों के इलाज के लिए

» स्वास्थ्य विभाग ने कसी कमर

पूरी तरह से तैयार हैं औरएच1एन1 और डेंगू के मरीजों के लिए अलग वार्ड और विशेष कमरे आरक्षित किए गए हैं। अस्पतालों ने पिछले कुछ हफ्तों में सर्दी, खांसी और बुखार जैसे लक्षणों वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि दर्ज की है।

फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम के प्रधान निदेशक और आंतरिक चिकित्सा इकाई के प्रमुख डॉ. सतीश कौल ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया पिछले तीन-चार हफ्तों में अस्पतालों में खांसी, जुकाम और तेज बुखार से पीड़ित मरीजों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। जांच में एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि का पता चला है और डॉक्टरों का कहना है कि वे ओपीडी में प्रतिदिन लगभग 7-10 ऐसे मरीजों को देख रहे हैं। कोविड-19 के मामलों में भी थोड़ी वृद्धि हुई है सोशल मीडिया पर लोगों ने यह भी बताया है कि दिल्ली में फ्लू जैसे लक्षणों से पीड़ित लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हालांकि, डॉक्टरों का कहना है कि एच1एन1 के अधिकांश मामले हल्के होते हैं और लक्षण तीन से पांच दिनों में ठीक हो जाते हैं।

रांची में छात्र आंदोलन 20वें दिन भी जारी

» सरकार व आंदोलनकारियों में नहीं बनी बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के खिलाफ रांची में चल रहा छात्र आंदोलन बुधवार को 20वें दिन भी जारी है। जेपीएससी-जेएसएससी (जेपीएससी और जेएसएससी) परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है।

छात्रों और सरकार के डेलीगेशन के बीच कई दौर की बातचीत होने के बाद भी कोई नतीजा नहीं निकला है। ऐसे में अब सवाल उठ रहे हैं कि झारखंड में सरकार और छात्रों के बीच बात कहां अटक गई है।। वहीं सवाल यह भी है कि सरकार और छात्रों के बीच आखिर रस्साकशी कहां है। ऐसे में अब सवाल यह भी है कि कई दौर की बातचीत के बाद भी अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस समाधान क्यों नहीं निकला है। ऐसे में समझते हैं कि आखिर सरकार और छात्रों के बीच बात कहां अटक गई है। दरअसल सरकार से कई दौर की बातचीच के बाद किसी भी मुद्दे पर सहमति नहीं बन पाई है। जिसके बाद छात्रों ने विधानसभा का घेराव किया। छात्रों से बातचीत के बाद सरकार की तरफ से कहा गया है कि छात्रों की मांगों पर विचार किया जा रहा है, जल्द ही उनकी मांगों का समाधान निकाला जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंत्रियों की समिति बनाई, जिसने सीएम को निर्देश पर छात्रों से सीधा संवाद शुरू किया। बता दें कि छात्र जेपीएससी में धांधली को लेकर सीबीआई जांच या ईडी और राज्य के बाहर से रिटायर्ड जजों द्वारा जांच की मांग पर अडिग हैं। छात्रों का कहना है कि उनकी इस मांग को सरकार को मानना होगा।

प्रदर्शन के 16वें दिन रविवार (9 अगस्त) को सरकार और छात्रों के बीच तीसरे दौर की बातचीत हो चुकी है। सरकार के प्रतिनिधियों का कहना है कि छात्रों की मांगों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तक पहुंचा दिया गया है, जिस पर समाधान निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

चार मंत्रियों के समूह से बात पर असहमति

सरकार का यह भी कहना है कि छात्रों की मांगों को गंभीरता से लिया जा रहा है। बातचीत बिना किसी समझौते के समाप्त होने के बाद चर्चा करने के लिए गठित चार मंत्रियों के समूह ने आम सहमति न बन पाने पर निराशा व्यक्त की। सूचना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डेलीगेशन में शामिल उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्या कुमार सोनू ने कहा कि सरकार ने छात्रों की अधिकांश मांगें मान ली हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपना आंदोलन जारी रखने का फैसला किया है। हालांकि सरकार ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश की देखरेख में मामले की जांच कराने का प्रस्ताव रखा, लेकिन छात्रों ने इस पर सहमति नहीं जताई। फिलहाल आंदोलनकारी छात्रों का प्रदर्शन लगातार जारी है। अब देखना यह होगा कि सरकार कब तक और कैसे इसका समाधान करती है।

मुंबई के कुर्ला में भूस्खलन अब तक 6 लोंगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई के कुर्ला में भारी बारिश के चलते एक बड़ा हादसा सामने आ रहा है। कुर्ला के चिराग नगर इलाके में बुधवार (12 अगस्त) तड़के भूस्खलन की घटना सामने आई है। इस हादसे में अब तक 6 लोगों के मरने की खबर है. वहीं, कई लोग मलबे में फंसे भी हो सकते हैं रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। बीएमसी मेयर रितु तावड़े भी घटनास्थल पर पहुंची हैं।

यह घटना गौसिया चॉल, राठौड़ मेडिकल के पास हुई है। सूचना मिलते ही मौके पर बचाव दल पहुंच गया है. मलबे में कई लोगों के फंसे होने का शक है। छह की मौत हो चुकी है. रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है और लोगों को निकाला जा रहा है। इसकी वीडियो भी सामने आई है।

दरअसल, मुंबई में बीती रात को काफी बरसात थी, जिसके चलते कुर्ला के इस चॉल पर पहाड़ का हिस्सा गिर गया। बृहन्मुंबई नगर निगम के मुताबिक, सुबह करीब 3:48 बजे भूस्खलन की सूचना मिली थी। हादसे की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड, पुलिस, बिजली वितरण कंपनी, 108 एंबुलेंस और वार्ड की टीमें मौके पर पहुंच गईं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। लगातार मलबे को हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के पूरे इंतजाम हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा